CW
9.11.21

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास-
प्राणी, मायूस, बलवान, चींटी, मस्त, वादा, चिड़िया, अहंकारी, घोंसला

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए।
(क) पेड़ के ऊपर क्या था?
उ- पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।
(ख) घोंसले में कितने अंडे रखे थे?
उ- घोंसले में दो अंडे थे।
(ग) पेड़ को जोर से हिलाने पर क्या हुआ?
उ- पेड़ को जोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।
(घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?
उ- चींटी ने चिड़िया से यह वादा किया कि वह हाथी को जरूर मजा चखाएगी।

लिखित

1. सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (x) का निशान लगाइए।
(क) चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया। (✓)
(ख) हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया। (✓)
(ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। (x)
(घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। (✓)

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए।
मायूस, घोंसला, बलवान, सबक

(क) संसार के हर बड़े आकार के प्राणी अपने आपको बलवान समझते हैं।
(ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।
(ग) मायूस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठ कर रोने लगी।
(घ) चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

3. जोड़ बनाइए।

(क) पेड़ के ऊपर	(i) रोना का कारण पूछा
(ख) चींटी ने चिड़िया से	(ii) प्राणी बलवान नहीं होता
(ग) हाथी बेचारा दर्द से	(iii) चिड़िया का घोसला था।
(घ) विशाल आकार होने से	(iv) तड़प उठा

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(क) हाथी अपने शरीर को किससे झाड़ रहा था?
उ- हाथी अपने शरीर को एक पेड़ से रगड़ने लगा।
(ख) घोंसले में क्या रखा था?
उ- घोंसले में चिड़िया के दो अंडे रखे थे।
(ग) चिड़िया क्यों रोने लगी?
उ- अंडे टूटने से चिड़िया के दो अंडे रखते थे।
(घ) हाथी ने किसका मजाक उड़ाया?
उ- हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया?

उ- हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया था। यह चींटी को अच्छा नहीं लगा। चींटी चिड़िया से भी वादा किया था कि हाथी को सबक सिखाएगा। मन ही मन हाथी को सबक सिखाने की ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते ही चुपके से हाथी की सूंड में घुस गई। फिर उसने हाथी को काटना शुरू कर दिया, हाथी परेशान हो उठा। उसने सूंड को जोर-जोर से हिलाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हाथी दर्द से कराहने और रोने लगा। यह देख चींटी ने कहा कि हाथी भइया, आप दूसरों को परेशान करते हो, तो बड़ा मजा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो, हाथी को अपनी गलती का एहसास हो गया और उसने चींटी से माफी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा। चींटी को उस पर दया आ गई। वो बाहर आकर बोली कि कभी किसी को छोटा और कमजोर नहीं समझना चाहिए। यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल चुका है। मुझे अच्छी सीख दी तुमने। अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा। इस तरह चींटी ने हाथी से बदला लिया।

(ख) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

उ- अहंकारी हाथी से डरकर सामना न करना चिड़िया की भूल थी, जबकि चींटी ने समझदारी का परिचय दिया। साधारण रूप में कह सकते हैं कि आकार में बड़ा होने से ही कोई बलवान नहीं हो जाता। अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं। चींटी का चिड़िया से सहानुभूति दिखाना व उसके हाथी को सबक सिखाना उसकी सहृदयता को दर्शाता है, जो हमें अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है।

घमंडी का सिर सदा नीचे होता है। कभी किसी को कमजोर और छोटा न समझें। दूसरों के दुःख व तकलीफ को समझना ही जीने का सही तरीका है।

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए- (वचन बदलना)

चींटी - चींटियाँ

लड़की - लड़कियाँ

तितली - तितलियाँ

चिड़िया - चिड़ियाँ

अंडा - अंडे

घोंसला - घोंसले

बच्चा - बच्चे

तन - तने

2. 'है' और 'हैं' का प्रयोग-
एकवचन के साथ 'है' - एक चींटी है।
बहुवचन के साथ 'हैं' - अनेक चींटियाँ हैं।

प्र- इसी प्रकार रेखांकित शब्द का वचन परिवर्तन कर वाक्य दुबारा लिखिए।
(क) चींटी जाती है।
उ- चींटियाँ जाती हैं।
(ख) घोंसले में अंडे हैं।
उ- घोंसले में अंडा है।